# रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर

## विश्वविद्यालय के मंच पर दिखी भारतीय संस्कृतिक एकता की अनूठी झलक
## रादुविवि में दो दिवसीय अंतर जिला (विश्वविद्यालय स्तर) युवा उत्सव का शानदार समापन

जबलपुर 03 मार्च। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग, मंत्रालय, भोपाल द्वारा जारी आदेशानुसार अंतर जिला (विश्वविद्यालय स्तर) युवा उत्सव के दूसरे दिन गुरूवार को विवि के पं. कुंजीलाल दुबे प्रेक्षागृह में भारतीय लोक संस्कृति से ओतप्रोत नृत्यों की कलात्मक प्रस्तुतियां हुईं। विवि के पं. कुंजीलाल दुबे प्रेक्षागृह में आयोजित युवा उत्सव के समापन कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र ने कहा कि भारत की संस्कृति में बहुत विविधता है पर इस विविधता में भी एकता ही भारत की पहचान है, यहां का रहन–सहन, खान–पान, बोली–भाषा सब एक दूसरे से अलग है पर तब भी लोगों के बीच बना प्यार ही यहां की संस्कृति को बहुत अलग करता है, और इसी संस्कृति को उजागर करती हुई सांस्कृतिक प्रस्तुतियां विश्वविद्यालय के मंच से प्रतिभागियों ने प्रदर्शित की।

विवि के पं. कुंजीलाल दुबे प्रेक्षागृह में आयोजित युवा उत्सव कार्यक्रम के द्वितीय दिवस का शुभारंभ विवि वित्त नियंत्रक श्री रोहित सिंह कौशल, विवि शाशिवि संचालक डॉ. विशाल बन्ने, विवि छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. विवेक मिश्र एवं डॉ. आर.के. गुप्ता समन्वयक, सांस्कृतिक प्रकोष्ठ द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष द्वीप प्रज्जवलन कर किया गया। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में आयोजित अंतर जिला (विश्वविद्यालय स्तर) युवा उत्सव में के द्वितीय दिवस सर्वप्रथम नृत्य प्रतियोगिताओं का आयोजन डॉ. वर्षा अगलावे, डॉ. ज्योति श्रीवास्तव, डॉ. सरिता यादव, डॉ. हरलीन रूपराह के संयोजन में हुआ। इसमें एकल नृत्य (शास्त्रीय) एवं समूह लोकनृत्य प्रतियोगिताओं का आयोजन पं. कुंजीलाल दुबे प्रेक्षागृह में हुआ। अपरांह नाटक प्रतियोगिताओं का आयोजन डॉ. सपना चौहान, डॉ. नुपुर देशकर, श्री मनीष तिवारी के संयोजन में हुआ। इसमें विविध सामाजिक एवं वर्तमान परिदृश्य पर आधारित नाटकों का प्रदर्शन पं. कुंजीलाल दुबे प्रेक्षागृह में विविध जिलों से आये प्रतिभागियों द्वारा बखूबी किया गया। युवा उत्सव के अंतिम दिवस विवि ऑडिटोरियम लोक और शास्त्रीय नृत्यों की बेहतरीन प्रस्तुतियां हुईं। लोकनृत्यों में जहां आंचलिक परंपराओं के दर्शन हुए, वहीं शास्त्रीय नृत्यों में कलात्मकता के साथ भारतीय संगीत और नृत्य की समद्ध वैभव नजर आया। प्रतियोगिताओं की शुरुआत लोकनृत्य से हुई। इसमें सबसे पहले युवा कलाकारों ने लोकगीत और नृत्य के जरिए अपनी कला का शानदार प्रदर्शन किया। कोरोना प्रोटोकाल का पालन करते हुए प्रतियोताओं का आयोजन हुआ इसमें 22 विद्याओं में 5 जिलों से प्रतिभागियों के दल रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय पहुंचे हैं। आयोजन माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र के मार्गदर्शन एवं कुलसचिव डॉ. बृजेश सिंह के निर्देशन में हुआ। समापन कार्यक्रम में आयोजन समिति संयोजक प्रो. विवेक मिश्र

छात्र कल्याण अधिष्ठाता, सचिव डॉ. सुनील देशपांडे कला संकायाध्यक्ष प्रो. धीरेन्द्र पाठक, डॉ. लोकेश श्रीवास्तव, डॉ. पुष्पराज सिंह चौधरी, डॉ. आर.के. श्रीवास्तव, डॉ. वर्षा अगलावे, उपकुलसचिव डॉ. दीपेश मिश्रा, सहायक कुलसचिव डॉ. अभयकांत मिश्रा, विवि इंजी. विनोद जारोलिया, डॉ. मृत्युंजय सिंह, डॉ. रजनी शर्मा एवं डॉ. आर.के. गुप्ता समन्वयक, सांस्कृतिक प्रकोष्ठ सहित सभी समिति सदस्यगण मौजूद रहे।

**ये हैं परिणाम–**

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1 | **नाटक** | | |
| | प्रथम | | शासकीय होम सांइस महाविद्यालय, जबलपुर |
| | द्वितीय | | शासकीय स्वामी विवेकानंद महाविद्यालय, नरसिंहपुर |
| | तृतीय | | |
| 2 | **शास्त्रीय नृत्य(एकल)** | | |
| | प्रथम | प्रांजलि वेरूलकर | सेटं अलायसियस महाविद्यालय, जबलपुर |
| | द्वितीय | निरंक | निरंक |
| | तृतीय | निरंक | निरंक |
| 3 | **लोक नृत्य/समूह नृत्य** | | |
| | प्रथम | | माता गुजरी महाविद्यालय, जबलपुर |
| | द्वितीय | | शासकीय तिलक महाविद्यालय, कटनी |
| | तृतीय | | शासकीय कन्या महाविद्यालय, नरसिंहपुर |

————————————————————————————————————————

## रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय संगोष्ठी आज

जबलपुर 03 मार्च। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के महिला अध्ययन एवं शोध केन्द्र द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 04 मार्च, 2022 को आयोजित किया जा रहा है। राष्ट्रीय संगोष्ठी संयोजक डॉ. श्रीमती राजेश्वरी राणा ने बताया कि "अपमानजनक संबंध एवं घरेलू हिंसा : रोकथाम और परिणाम" विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में श्रीमती रेखा चूड़ासमा, राष्ट्रीय समन्वयक विद्या भारती, गर्ल्स एज्युकेशन गुजरात मुख्य अतिथि के रूप में शामिल रहेंगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र करेंगे। आयोजन सचिव डॉ. जया सिंह ने बताया कि इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में उद्यमिता विद्यापीठ जेपी फाउंडेशन, सतना से डॉ. नंदिता पाठक, महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय से डॉ. प्रज्ञा मिश्रा, दयानंद आर्या कन्या महाविद्यालय, नागपुर से डॉ. श्रद्धा अनिल कुमार एवं डॉ. जितेन्द्र अहेरकर मुम्बई, डॉ. योगिता मंडलोई, मुम्बई व डॉ. श्रीमती अंजू सिंह बघेल विषयांतर्गत अपने व्याख्यान प्रस्तुत करेंगे।

————————————————————————————————————————

## जैविक खेती जैविक खेती एवं जल संरक्षण पर राष्ट्रीय कार्यशाला आज

कार्यक्रम क्षेत्रीय जैविक खेती केंद्र जबलपुर एवं कृषि विज्ञान संस्थान रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में माननीय सांसद श्री राकेश सिंह जी के मुख्य आतिथ्य, माननीय कुलपति प्रोफ़ेसर कपिल देव मिश्रा जी की अध्यक्षता, माननीय श्री राजेंद्र सिंह जल पुरुष के सारस्वत आतिथ्य एवं कुलसचिव प्रो. बृजेश सिंह जी के विशिष्ट आतिथ्य में 'जैविक खेती जैविक खेती एवं जल

संरक्षण' विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला का उद्घाटन आज दिनांक 4 मार्च, 2022 को दोपहर 2.00 बजे विश्वविद्यालय के विज्ञान भवन में आयोजित है।

उक्त जानकारी कार्यक्रम संयोजक डॉ. अजय सिंह राजपूत, निदेशक, क्षेत्रीय जैविक खेती केंद्र, जबलपुर एवं प्रोफेसर सुरेंद्र सिंह, निदेशक कृषि विज्ञान संस्थान, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय ने दी।